Madhya Pradesh Specific December Month Current Affairs-2021

मध्यप्रदेश में योग आयोग का गठन

- मध्यप्रदेश में योग आयोग का गठन किया जाएगा।
- योग की शिक्षा का कार्य अभियान के रूप में चलेग इसके साथ ही योग विज्ञान से जुड़े विशेषज्ञों और अनुभवी योगाचार्यों से मार्गदर्शन प्राप्त किया जाएगा।
- खेल विभाग की गतिविधियों में भी योग को शामिल किया जाएगा।

"आपकी सरकार-आपके साथ" अभियान

- सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए शासन की सभी की हितधारकों मूलक योजनाओं का लाभ सभी पात्र हितग्राहियों को दिलाने के लिये "आपकी सरकार-आपके साथ" अभियान चलाया जा रहा है।
- यह अभियान 26 जनवरी 2022 तक लगातार जारी रहेगा। अभियान के माध्यम से सभी पात्र हितग्राही को शासकीय योजना के लाभ से लाभान्वित किया जायेगा।

साहित्य अकादमी पुरस्कार : वर्ष 2017 के शेष कृति पुरस्कारों की घोषणा

- वर्ष 2017 के शेष 6 अखिल भारतीय और 6 प्रादेशिक कृति पुरस्कार की घोषणा संस्कृति विभाग की साहित्य अकादमी, मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद् ने की है।
- अखिल भारतीय पुरस्कार में एक लाख रुपये और प्रादेशिक पुरस्कार में 51 हज़ार रुपये की सम्मान राशि दी जाती है।
- 6 अखिल भारतीय पुरस्कार
  'आत्मकथा-जीवन' श्रेणी - विष्णु प्रभाकर पुरस्कार - श्री संदीप देव (बनारस) को रचना 'हमारे श्री गुरू जी' हेतु , 'संस्मरण' श्रेणी में - निर्मल वर्मा पुरस्कार - श्री संतोष तिवारी (खंडवा) को रचना 'रिश्ते मन से मन के' हेतु ,
  'रेखा चित्रा' श्रेणी में- महादेवी वर्मा पुरस्कार - श्री संजय सिन्हा (दिल्ली) को 'शुक्रिया' हेतु , 'यात्रा-वृत्तांत' श्रेणी में - प्रो. विष्णुकांत शास्त्री पुरस्कार - श्री विनोद बब्बर (गाजियाबाद)को 'भगीरथ के देश में' हेतु,
  'अनुवाद' श्रेणी में - भारतेन्दु हरिश्चन्द्र पुर स्कार - श्री अमरनाथ श्रीवास्तव (दिल्ली) को 'कारगिल के परमवीर' हेतु 'फैसबुक/ब्लाग/नेट' श्रेणी में - नारद मुनि पुरस्कार - श्री सुरेश चिपलूनकर (उज्जैन) को उनके पेज: 'ब्लॉक/फेसबुक' हेतु|

- 6 प्रादेशिक पुरस्कारों
- ‘संवाद, पटकथा लेखन’ श्रेणी में - नरेश मेहता पुरस्कार - श्री अयोध्या प्रसाद सोनी (भोपाल) को ‘खाली पिंजरा और हिंदुस्तान का पानी’ हेतु,
  लघुकथा’ श्रेणी में - जैनेन्द्र कुमार ‘जैन’ पुरस्कार - श्री घनश्याम मैथिल ‘अमृत’ (भोपाल)को ‘एक लोहार की’ हेतु , ‘एकांकी’ श्रेणी में - सेठ गोविन्द दास पुरस्कार - श्री अरविन्द शर्मा (भोपाल) को ‘सपना सच हो गया’ हेतु,
  ‘व्यंग्य’ श्रेणी में - शरद जोशी पुरस्कार - श्री मुकेश जोशी (उज्जैन) को 'आल इज वेल’ हेतु,
  ‘गीत’ श्रेणी में - वीरेन्द्र मिश्र पुरस्कार - श्री छोटेलाल पाण्डेय (सतना) को ‘वीरव्रती आजाद’
  ‘गजल’ श्रेणी में - दुष्यंत कुमार पुरस्कार - श्री मनीष जैन ‘रौशन’ (ग्वालियर) को रंग खुशबू के’ हेतु प्रदान गया है।

मध्यप्रदेश में "पेसा एक्ट" लागू

- अधिसूचना के प्रावधानों में प्रदेश के अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को मजबूत करने के लिए यह एक्ट लागू किया जा रहा है।
- राज्य में निवास कर रहे वनवासी जिनके दिसम्बर 2006 से पूर्व के वन अधिकार के कब्जे अभी तक नहीं मिलें हैं, उन्हें वन अधिकार पट्टा प्रदान किया जाएगा। इस हेतु राज्य में फिर से एक अभियान चलाया जाएगा। कोई भी जनजातीय अब अपने अधिकारों से वंचित नहीं रहेगा।
- जिन जनजातीय लोगों के पास रहने के लिए पक्का मकान नहीं है, उन्हें आवास बनाने के लिए जमीन का पट्टा दिया जाएगा।
- मध्यप्रदेश की धरती पर कोई भी जनजातीय बंधु बिना जमीन या मकान के नहीं रहेगा। इस हेतु सरकार मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना लागू करेगी।
- मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना के तहत उद्योग लगाने के लिए युवाओं को 50 लाख रूपये तक का ऋण दिया जाएगा।
- इस ऋण में बैंकों को गारंटी भी सरकार देगी और ब्याज पर 3 प्रतिशत सब्सिडी भी दी जाएगी।
- आकांक्षा योजना के तहत आईआईटी, मेडिकल एवं लॉ में चयनित होने वाले बच्चों की फीस माफ की जाएगी।
- जबलपुर, भोपाल, इंदौर में जनजातीय विद्यार्थियों की काउंसलिंग के लिए केंद्र खोले जाएंगे।

- ग्रामों के पुनर्वास के लिये ''मुआवजा" योजना को पाँच वर्षों हेतु 75 करोड़ की धनराशि स्वीकृत हुई।

- कैम्पा मद से वित्तीय वर्ष 2022-23 से 2025-26 तक लिये 285 करोड़ रूपये की स्वीकृति का अनुमोदन भी किया गया।

केन-बेतवा लिंक परियोजना

- मध्यप्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने , 22 मार्च 2021 को केन - बेतवा परियोजना को लागू करने के लिए एक ऐतिहासिक समझौते पर हस्ताक्षर किए।
- यह समझौता पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी के दृष्टिकोण को लागू करने के लिए अंतर-राज्य सहयोग की शुरुआत करने के लिए किया गया था।
- यह परियोजना नदियों को आपस में जोड़ने के लिये राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना (National Perspective Plan) की पहली महत्त्वाकांक्षी परियोजना है।
- इसका उद्देश्य उत्तर प्रदेश के सूखाग्रस्त बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने हेतु मध्यप्रदेश की केन नदी के अधिशेष जल को बेतवा नदी में हस्तांतरित करना है।
- परियोजना की लागत 44 लाख 605 करोड़ रुपये है।
- इस परियोजना से मध्यप्रदेश के छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना, सागर, दमोह , दतिया विदिशा, शिवपुरी और रायसेन तथा उत्तर प्रदेश के बांदा, महोबा, झांसी और ललितपुर ज़िलों को लाभ मिलेगा।
- इस परियोजना के लागू होने से बुंदेलखंड क्षेत्र सूखे की स्थिति में कमी, बिजली उत्पादन में वृद्धि, कृषि उत्थान, किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल, और जैव विविधता का जीर्णोद्धार इत्यादि होगा।
- वही दूसरी तरफ, केंद्र सरकार राजनैतिक मतभेदों को पृथक रखकर यह निर्णय लिया है। तथा सरकार ने इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन के लिए पर्यावरणीय घटकों को भी ध्यान में रखा है, जिससे वन संपदा को किसी भी प्रकार की क्षति न पहुँचे।

दतिया में एजुकेशन हब बनेगा

- दतिया में मेडीकल कॉलेज, नर्सिग कॉलेज, पोलीटेक्निक, वेटेनरी एवं फिसरीज कॉलेज के साथ ही पुलिस ट्रेनिंग सेंटर भी शुरू होगा।
- इसी के साथ सात करोड़ की लागत से विधि महाविद्यालय का भवन बनेगा।
- लाला के ताल पर स्थित वोट क्लब में नौकायन (बोटिंग) भी आरम्भ होगा ।

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह

- 14 दिसम्बर से 21 दिसम्बर तक समूचे भोपाल क्षेत्र तथा ग्वालियर क्षेत्र में म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी के तत्वावधान में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह मनाया गया |
- इसके अंतर्गत स्कूली बच्चों की चित्रकला प्रतियोगिता में स्कूली बच्चों के द्वारा ऊर्जा संरक्षण एवं उपाय एप **(Upay App)** के संबंध में चित्र उकेरने गए।

byjusexamprep.com